ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक:18.04.2024

उधम सिंह नगर (उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान – जारी करने का दिन :2024-04-18 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	19/04/2024	20/04/2024	21/04/2024	22/04/2024	23/04/2024
वर्षा (मीमी)	0	0	0	0	1
अधिकतम तापमान(से.)	36	35	35	35	36
न्यूनतम तापमान(से.)	18	18	18	17	17
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता(%)	65	65	65	65	65
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता(%)	30	30	30	30	30
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	12	16	18	12	12
पवन दिशा (डिग्री)	270	270	130	130	130
क्लाउड कवर (ओक्टा)	4	4	5	4	1

सम सारांश / चेतावनी:

पिछले सप्ताह (12 से 17 अप्रैल) के दौरान कोई वर्षा दर्ज नहीं की गई और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 31.8 से 37.0 डिग्री सेल्सियस और 13.1 से 19.4 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। सुबह और शाम की सापेक्षिक आर्द्रता क्रमशः 43-68% और 18-42% के बीच रही। हवा उत्तर-पश्चिम, दक्षिण-दक्षिण-पश्चिम, दक्षिण, उत्तर-उत्तर-पश्चिम और पश्चिम से 1.2-9.0 किमी प्रति घंटे की गति से चली। पिछले सप्ताह के दौरान कुछ दिन आंशिक रूप से बादल छाए रहने के साथ-साथ हवाएं भी चली। आगामी सप्ताह में क्रमशः 35.0-36.0oC और 17.0-18.0oC के बीच अधिकतम-न्यूनतम तापमान के साथ 1 मिमी की बहुत हल्की वर्षा होने की उम्मीद है। 12-18 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से पश्चिम और दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा चलने का अनुमान है। 19 और 22 अप्रैल को कुछ स्थानों पर हल्की वर्षा होने की संभावना है। शेष अवधि के दौरान शुष्क मौसम बने रहने की संभावना है। 19 अप्रैल, 2024 को अलग-अलग स्थानों पर बिजली/ओलावृष्टि और तेज हवा (30-40 किमी प्रति घंटे) के साथ आंधी आने की पीली चेतावनी जारी की गई है, जबकि 22 अप्रैल, 2024 को अलग-अलग स्थानों पर बिजली चमकने के साथ आंधी आने की संभावना है।

सामान्य सलाहकार:

मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह के बारे में एक नियमित अपडेट “मेघदूत ऐप” पर उपलब्ध है और बिजली की जानकारी प्राप्त करने के लिए “दामिनी ऐप” भी उपलब्ध है। मेघदूत और दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड यूज़र) और ऐप सेंटर (iOS यूज़र) से डाउनलोड किया जा सकता है। एनडीवीआई समग्र क्षेत्र में अच्छी कृषि शक्ति दर्शाता है। विस्तारित सीमा पूर्वानुमान प्रणाली से पता चलता है कि 19 अप्रैल-25 अप्रैल तक अनुमानित प्रवृत्ति में अत्यधिक वर्षा और सामान्य से कम अधिकतम और न्यूनतम तापमान की प्रवृत्ति देखी जाएगी। सिंचाई अनुप्रयोग और अन्य कृषि कार्यों को पूर्वानुमान के अनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए और कटाई की गई उपज को खेत में खुला छोड़ने पर अच्छी तरह से संग्रहित किया जाना चाहिए।

लघु संदेश सलाहकार:

भारत मौसम विज्ञान विभाग से उपलब्ध पूर्वानुमान के अनुसार, खेती के कार्यों को तदनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए और कटाई की गई उपज को सूखने के बाद अच्छी तरह से संग्रहित किया जाना चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	अवस्था	फ़सल विशिष्ट सलाह
चना/मसूर/मटर/सरसों	कटाई	परिपक्व फलियों की कटाई करें और खुले में रखे जाने पर फसल को प्रतिकूल मौसम की स्थिति से बचाएं। तदनुसार कृषि गतिविधियों को निर्धारित करें।
उर्द/मूंग (काली) चना/मूंग	बुआई	उपलब्ध पूर्वानुमान के अनुसार बुआई शुरू और निर्धारित की जा सकती है। इस फसल को गन्ने के साथ सहफसली भी किया जा सकता है।
गेहूं	कटाई	परिपक्व अनाज की कटाई करनी चाहिए और सिंचाई से बचना चाहिए इसका प्रयोग करें क्योंकि यह फसलों में फसल गिरने का कारण बन सकता है।
गन्ना	वनस्पति	अनुशंसा के अनुसार सिंचाई के बाद यूरिया की टॉप ड्रेसिंग की जा सकती है, लेकिन कृषि गतिविधियों को पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए निर्धारित किया जाना चाहिए।
चारा ज्वार	बुआई	चारा ज्वार की बुआई इस महीने के दूसरे पखवाड़े के दौरान की जा सकती है और बुआई कार्य पूर्वानुमानित स्थितियों के अनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	अवस्था	बागवानी विशिष्ट सलाह
आम	-	गुम्मा रोग से प्रभावित बौर को तोड़कर हटा देना चाहिए। जब आम का फल मटर के आकार का हो जाए तो सिंचाई शुरू कर देनी चाहिए। बेसिन तैयार कर 10-15 दिन के अंतराल पर 2-3 सिंचाई करनी चाहिए। सभी कृषि गतिविधियों को पूर्वानुमान के अनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए।
अरबी/तारो	बुआई	अगेती किस्मों की बुआई इस महीने की जा सकती है लेकिन बुआई पूर्वानुमान के अनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए।
कद्दूवर्गीय (कद्दू वर्गीय सब्जियों)	वानस्पतिक/फलयुक्त	कद्दूवर्गीय (कद्दू वर्गीय सब्जियों) फसल में पत्ती धब्बा रोग उत्पन्न होने पर मैंकोजेब @ 2.5 का घोल बनायें ग्राम/लीटर पानी का छिड़काव करना चाहिए। पूर्वानुमान के अनुसार छिड़काव निर्धारित किया जाना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय/भैंस	गाय/भैंस यदि दुधारू पशुओं में मस्टाइटिस के लक्षण दिखाई दें तो तुरंत इलाज कराएं। पशुओं के लिए पानी की व्यवस्था पर पूरा ध्यान दिया जाए। पीने के नालों को साफ रखना चाहिए और जानवरों को दिन के दौरान कम से कम चार बार पानी पिलाना चाहिए। गर्मी की लहरों से बचने के लिए उचित वेंटिलेशन प्रदान करें।